हिन्दी पाक्षिक

महानगर स्तंभ

RNI NO. RAJHIN/2017/70561

पृष्ठ संख्या.... 2

❐ वर्ष-8 ❐ अंक-2 जयपुर, सोमवार 15 जनवरी, 2023 ❐ एक प्रति 5 रुपये ❐ कुल पृष्ठ-4

राष्ट्रपति ने प्रदान किए 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2023' पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 प्रदान किए। यहां 13 पुरस्कार विजेताओं को स्वच्छ शहर, सबसे स्वच्छ छावनी, सफाई मित्र सुरक्षा, गंगा टाउन और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य की श्रेणियों के अंतर्गत सम्मानित किया गया। इस वर्ष सबसे स्वच्छ शहर पुरस्कार की श्रेणी में दो शहरों को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया। बंदरगाहों के शहर सूरत ने इस बार इंदौर के साथ शीर्ष सम्मान हासिल किया, इससे पहले इंदौर ने लगातार 6 वर्षों तक अकेले शीर्ष स्थान हासिल किया था। 1 लाख से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में सासवड़, पाटन और लोनावला ने शीर्ष तीन स्थान हासिल किए। मध्य प्रदेश के मऊ छावनी बोर्ड को सबसे स्वच्छ छावनी बोर्ड घोषित किया गया। वाराणसी और प्रयागराज ने सबसे स्वच्छ गंगा टाउन्स में शीर्ष दो पुरस्कार जीते। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य की श्रेणी में शीर्ष तीन पुरस्कार जीते। साथ ही चंडीगढ़ को सर्वश्रेष्ठ सफाईमित्र सुरक्षित शहर का पुरस्कार मिला।

कार्यक्रम के दौरान माननीय राष्ट्रपति ने स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023 के सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा, स्वच्छ भारत मिशन को लगातार आगे बढ़ाने के लिए मैं केंद्र सरकार, केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी और उनकी टीम की सराहना करती हूं। भागीदारी के साथ किया गया यह स्वच्छ सर्वेक्षण स्वच्छता के स्तर को ऊपर ले जाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्ष 2023 का विषय है 'वेस्ट टु वेल्थ', यह बहुत अच्छा और उपयोगी विषय है। आपकी इस सोच को आगे बढ़ाते हुए मैं कहना चाहती हूं कि 'वेस्ट इज वेल्थ', कचरे को कंचन में परिवर्तित करना है, समग्र स्वच्छता को दिव्य बनाना है। आप सब स्वच्छता से संपन्नता के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं और मिशन के द्वारा आत्म निर्भरता उत्पन्न कर रहे हैं, जो कि सराहनीय है। मुझे ये जानकर संतोष हुआ है कि सफाईमित्र सुरक्षा, गरिमा और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए भी प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। ये उत्तम कार्य है कि स्वच्छ भारत मिशन के दूसरे चरण में 'सर्कुलैरिटी इन वेस्ट मैनेजमेंट' की अवधारणा का पालन किया जा रहा है। अधिक से अधिक वस्तुओं को रीसाइकल और रीयूज करने संबंधी सर्कुलर इकॉनमी की पद्धति सस्टेनेबल डेवलेपमेंट के लिए सहायक सिद्ध हो रही है। मुझे ये जानकर खुशी हुई है कि आप सभी ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के लिए रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकल का विषय निर्धारित किया है।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, आज भारत का हर शहर ओडीएफहै। यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि एसबीएम एक सरकारी कार्यक्रम से शुरू होकर एक जन आंदोलन बन गया। यह मिशन अंत्योदय से सर्वोदय के दृष्टिकोण का प्रमाण है। स्वच्छ भारत मिशन की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 2014 में कचरे का केवल 15-16 प्रतिषत वैज्ञानिक प्रसंस्करण होता था, जबकि आज यह संख्या लगभग 76 प्रतिषत है, अगले 2 से 3 वर्षों में 100 प्रतिषत हासिल किया जाएगा। स्वच्छ सर्वेक्षण के बारे में उन्होंने कहा, 2016 में मामूली शुरुआत से, आज स्वच्छ सर्वेक्षण दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक सर्वेक्षण बन गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण ने शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के अभ्यास को बढ़ावा दिया है और यह एक मजबूत थर्ड-पार्टी असिसमेंट है।

प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए सचिव मनोज जोशी ने कहा, पिछले 9 वर्षों में स्वच्छता की दिशा में बहुत सारे ऐसे परिवर्तन हुए हैं, स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। हर जगह और हर किसी के लिए शौचालय है। हमने देश का 90 प्रतिषत हिस्सा साफकर दिया है, बाकी 10 प्रतिषत साफ करने की जरूरत है। उन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की विशिष्टता पर जोर देते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे इसे 'वेस्ट टु वेल्थ' के सिद्धांत के साथ विकसित किया गया था। अपशिष्ट प्रबंधन में सर्कुलैरिटी को बढ़ावा देने और अपशिष्ट से मूल्य निकालने की क्षमता का दोहन करने के एसबीएम-यू 2.0 के उद्देश्य के साथ तालमेल बिठाने पर विचार करें। 2016 में 73 प्रमुख शहरों के मामूली मूल्यांकन से शुरू होकर वर्तमान संस्करण में 4477 शहरों तक अपनी पहुंच बनाने के बाद स्वच्छ सर्वेक्षण का महत्व भी तेजी से बढ़ गया है। इस वर्ष स्वच्छ शहर पुरस्कारों में लेगेसी डंपसाइट्स को खत्म करने, प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन करने, रिड्यूज, रीयूज, रीसाइक्लिंग के सिद्धांतों को लागू करने और सफाईमित्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी गई है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 ने कचरे को मूल्यवान संसाधनों में बदलने पर ध्यान केंद्रित किया और मूल्यांकन 3,000 से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं की टीम द्वारा किया गया।

राष्ट्रपति की उपस्थिति में एक तारीख एक घंटा एक साथ अभियान और 2024 के लिए स्वच्छ भारत मिशन एंथेम के विमोचन पर प्रकाश डालते हुए एक ऑडियो विजुअल प्रस्तुति के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन के 9 वर्षों और स्वच्छता की भावना को फिर से जीवंत किया गया। पार्श्व गायक कैलाश खेर ने नया संकल्प है, नया प्रकल्प है एंथेम को अपनी आवाज दी है।

वर्ष का सबसे प्रतीक्षित पुरस्कार समारोह 3000 से अधिक मेहमानों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। अतिथियों में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साई, उपमुख्यमंत्री और यूएडी मंत्री अर्जुन साव, मध्य प्रदेश के शहरी विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, उत्तर प्रदेश के यूडी मंत्री अरविंद कुमार शर्मा समेत देश के विभिन्न हिस्सों से मेयर, राज्य और शहर प्रशासक, सेक्टर पार्टनर्स, विषयों के विशेषज्ञ, युवा संगठन, उद्योग प्रतिनिधि, स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में स्टार्टअप, शैक्षणिक संस्थान, एनजीओ, सीएसओ सफाई मित्र, स्वयं सहायता समूह आदि शामिल थे। पद्मश्री सुदर्शन पटनायक और उनकी टीम ने स्वच्छ भारत की यात्रा, उपलब्धियों और भावना को दर्शाते हुए एक जीवंत सैंड आर्ट क्रिएटिव लाइव प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा लगाए गए रंगीन स्टॉल थे, जो हस्तशिल्प, कलाकृति, कलाकृतियों और कचरे से बने अन्य उत्पाद बेच रहे थे। स्टालों में अपसाइकल किए गए कपड़े के थैलों से लेकर केले के पत्तों के शोपीस, बांस के उत्पादों से लेकर कचरे से बने आभूषणों तक के उत्पाद प्रदर्शित किए गए। स्टोर में और भी बहुत कुछ था! अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में नई तकनीकों और उपकरणों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान खींचा। मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों से लेकर सीवेज सफाई करने वाले रोबोट तक, कचरा संग्रहण और परिवहन वाहनों से लेकर अत्याधुनिक रोबोट तक, प्रदर्शनी में मजबूत मशीनों का प्रदर्शन किया गया और विभिन्न शहरों को इनके उपयोग की संभावनाओं संबंधी जानकारियां हासिल करने में मदद मिली। पुरस्कार समारोह ने शहरों और नागरिकों को नए दृढ़ संकल्प और उत्साह के साथ कचरा मुक्त शहरों का लक्ष्य प्राप्त करने की ओर खुद को फिर से प्रतिबद्ध करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

नगर निगम जयपुर हेरिटेज और डूंगरपुर नगर परिषद स्वच्छ सर्वेक्षण अवार्ड, 2023 से सम्मानित

जयपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में 11 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अध्यक्षता में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण सम्मान समारोह के दौरान जयपुर हेरिटेज नगर निगम और डूंगरपुर नगर परिषद को स्वच्छ सर्वेक्षण अवार्ड- 2023 से सम्मानित किया गया। जयपुर हेरिटेज नगर निगम को एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छता के उत्कृष्ट पैमाने प्राप्त करने के लिए तथा डूंगरपुर नगर परिषद को एक लाख से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी

में स्वच्छता के निर्धारित पैमानों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु ये अवार्ड दिए गए। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन, अर्बन 2.0 के अंतर्गत करवाए गए स्वच्छ सर्वेक्षण- 2023 भाग लेने वाले देश भर के स्थानीय निकायों में से स्वच्छता संबंध पैमानों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों को ये राष्ट्रीय पुरस्कार दिए गए हैं। जयपुर हेरिटेज नगर निगम की ओर से यह पुरस्कार मेयर मुनेश गुर्जर और आयुक्त अभिषेक सुराणा द्वारा ग्रहण किया गया वहीं डूंगरपुर नगर परिषद की ओर से यह पुरस्कार सभापति अमृत कलसुआ और उपसभापति सुदर्शन जैन ने ग्रहण किया।

नववर्ष पर रैनबसेरों में पहुंचे मुख्यमंत्री निराश्रितों को बांटे कम्बल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष के अवसर पर 1 जनवरी को रामनिवास बाग एवं जेके लोन अस्पताल के पास स्थित रैनबसेरों में रह रहे लोगों से मिलकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। साथ ही, उन्होंने सड़कों पर रह रहे निराश्रित लोगों को कंबल वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने रैनबसेरों में व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं प्रबंधको व कार्मिकों को रैनबसेरों को स्वच्छ और साफरखने सहित सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिशा निर्देश दिए। शर्मा ने रैनबसेरों में रह रही महिलाओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं करने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिया।

महानगर स्तंभ
समाचार पत्र की ओर से
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाईयां

संपादकीय

महंगाई से जारी जंग में हमारी मजबूती

महंगाई की मार आसानी से पीछा छोड़ती नजर नहीं आ रही है। साल 2024 की शुरुआत में एक बार फिर यूं लगने लगा है कि भारत ही नहीं, दुनिया की करीब-करीब सारी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इस साल भी महंगाई की चुनौती से जूझती ही दिखेंगी। भारत के लिए यह बड़ी चिंता का कारण बन सकती है, क्योंकि अब तो इस बात में कोई शक नहीं रह गया है कि आर्थिक मोर्चे पर 2023 भारत के लिए एक अच्छा साल रहा। इसके बाद 2024 से उम्मीदें बढ़ना स्वाभाविक है। मुश्किल हालात से जूझती दुनिया में भारत एक प्रकाश पुंज की तरह उभरकर आया, तो यह उम्मीद बेजा भी नहीं है। आम चुनाव भी बहुत दूर नहीं हैं। ऐसे में, स्वाभाविक है, सरकार और सत्ताधारी पार्टी विकास की गाड़ी को पूरी गति से दौड़ाकर दिखाना चाहेगी। राजनीति को अलग रख दें, तो देश में कौन होगा, जो भला ऐसा नहीं चाहेगा? इसीलिए विशेषज्ञ यह हिसाब जोड़ने में जुटे हैं कि वे कौन से कारक हैं, जो इस सपने को असलियत में बदलने का आधार देते हैं। सबसे बड़ा आधार तो पिछले साल की विकास दर है। लंबी कसरत और सरकार की तरफ से बुनियादी ढांचे में भारी निवेश के बाद अब उसका नतीजा भी दिख रहा है। निजी क्षेत्र की तरफ से नए कारखानों और मशीनों में पैसा लगाने की रफ्तार सरकार के मुकाबले तेज हो गई है। 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' यानी सीएमआई के मुताबिक, पिछले साल के आखिरी तीन महीनों में 2.10 लाख करोड़ रुपये के नए प्रोजेक्ट्स का एलान हुआ है, जो पिछली तिमाही से 15 प्रतिशत ज्यादा था। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले काफी कम है, पर दो तिमाही की नरमी के बाद यह माहौल में फिर उत्साह बढ़ने का संकेत है।

राज्यपाल कलराज मिश्र से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की मुलाकात

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 11 जनवरी को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से मुख्यमंत्री शर्मा की यह शिष्टाचार भेंट थी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर राज्यपाल से परामर्श किया। राज्यपाल से मुख्यमंत्री ने प्रदेश में उच्च शिक्षा के तेजी से विकास, रिक्त पदों को भरे जाने तथा जनजातीय क्षेत्रों में आदिवासी कल्याण से संबंधित विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की।

जयपुर से अयोध्या के लिए रवाना हुए तेल के 2100 पीपे

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 10 जनवरी को जयपुर के चांदपोल स्थित गंगा माता मंदिर से अयोध्या की सीता रसोई के लिए तेल के 2100 पीपों और राम दरबार शोभायात्रा को रवाना किया। उन्होंने कहा कि सीता रसोई के लिए सामग्री भेजना सौभाग्य की बात है।

आराध्य भगवान श्री राम हमारे रोम-रोम में बसते हैं। शर्मा ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर पूरे देश में उत्साह का माहौल है। अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र बन गया है। अयोध्या महोत्सव के साक्षी बनने वाले भक्तों के लिए सामग्री भेजने के पुण्य कार्य में जयपुरवासी सहभागी बने हैं, इसके लिए उन्हें साधुवाद देता हूं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शंखनाद के बीच राम दरबार की पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की सुख समृद्धि के लिए कामना की। यह कार्यक्रम ओर से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, धर्मयात्रा महासंघ राजस्थान एवं श्री श्याम भजन संध्या परिवार सेवा समिति जयपुर की हवामहल विधायक बालमुकुन्दाचार्य सहित बड़ी संख्या में धर्मावलंबी उपस्थित थे।

प्रशासनिक अधिकारियों ने किया रैन बसेरों का औचक निरीक्षण

जयपुर। जयपुर शहर में संचालित रैन बसेरों में सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित के निर्देश पर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया। राजधानी में बढ़ती सर्दी को देखते हुए नगर निगम जयपुर ग्रेटर और नगर निगम जयपुर, हैरिटेज द्वारा जयपुर के कुल 27 स्थानों पर स्थाई और अस्थाई रैन बसेरों का संचालन शुरू किया है। रैन बसेरों में आवश्यक व्यवस्थाएं और सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए 11 जनवरी को अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) अलका विश्नोई सहित जिला प्रशासन अधिकारियों ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रैन बसेरे में भोजन, साफसफाई, बिस्तर, पेयजल, बिजली एवं सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रैन बसेरे में ठहरे हुए लोगों से संवाद किया और इंतजामों को लेकर फीडबैक भी लिया। अधिकारियों ने रैन बसेरों की व्यवस्थाओं में नियोजित कर्मचारियों को सभी इंतजाम दुरुस्त रखने एवं मुस्तैदी से अपने कार्य को संपादित करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के पश्चात संबंधित अधिकारियों ने 16 बिन्दुओं पर आधारित निरीक्षण पत्र में अपनी रिपोर्ट कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित को सौंपी।

डॉ. राजेश कुमार व्यास की पुस्तक 'कलाओं की अंतर्दृष्टि' का लोकार्पण

जयपुर। विश्व हिंदी दिवस पर 10 जनवरी को राजस्थान के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. राजेश कुमार व्यास की पुस्तक ÷कलाओं की अंतर्दृष्टि÷ का लोकार्पण किया गया। नई दिल्ली के मेघदूत सभागार में साहित्य अकादमी के सर्वोच्च सम्मान से समादृत देश के सुप्रसिद्ध कला समालोचक, कवि डॉ. राजेश कुमार व्यास की पुस्तक ÷कलाओं की अंतर्दृष्टि÷ का लोकार्पण केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष और सुप्रसिद्ध नृत्यांगना डॉ. संध्या पुरेचा, ख्यातनाम कला समीक्षक और कवि प्रयाग शुक्ल, सुप्रसिद्ध संगीताचार्य विजयशंकर मिश्र, भाषाविद डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी और संगीत नाटक अकादमी के सहायक निदेशक तेजस्वरूप त्रिवेदी ने किया। इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष संध्या पुरेचा ने कहा कि हिंदी में यह अपने तरह की अनुपम पुस्तक है। ख्यात लेखक प्रयाग शुक्ल ने व्यास को भारतीय संस्कृति और कलाओं का मौलिक चिंतक बताते हुए उनके लिखे की सराहना की।

पंडित विजय शंकर मिश्र ने कहा कि कला रसिक के रूप में लिखी यह पुस्तक की भाषा कलाओं की तरह आनंदित करने वाली है। डा. अनिल त्रिपाठी ने कहा कि कला में भाषा का लालित्य और शब्दों की अनूठी लय लिए है ÷कलाओं की अंतर्दृष्टि÷ पुस्तक। संगीत नाटक अकादमी के सहायक निदेशक तेजस्वरूप त्रिवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा प्रकाशित डॉ. व्यास की पुस्तक ÷कलाओं की अंतर्दृष्टि÷ भरतमुनि के नाट्यशास्त्र, विष्णु धर्मोत्तर पुराण, शुक्रनिति सार आदि भारतीय ग्रंथों के संदर्भ लिए संगीत, नृत्य, नाट्य, चित्रकला आदि से जुड़ी कलाओं की मौलिक भारतीय चिंतन परंपरा की आधुनिक दृष्टि है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसमें लेखक व्यास ने भारतीय कलाओं से जुड़ी हिंदी और संस्कृत परंपरा को किस्सों कहानियों में बहुत सरस रूप में संप्रेषित किया है। पुस्तक की भाषा इतनी रोचक है कि पढ़ते हुए निरंतर पाठक आनंद की अनुभूति करता है। उल्लेखनीय है कि डॉ. राजेश कुमार व्यास इस समय दूरदर्शन के लोकप्रिय कला कार्यक्रम संवाद के होस्ट हैं। उनकी साहित्य और कलाओं की 23 मौलिक पुस्तकें प्रकाशित है। साहित्य अकादमी अवार्ड के अलावा उन्हें पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार का कोमल कोठारी कला अवार्ड, राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी का शिखर सम्मान और अन्य बहुत से पुरस्कार समय समय पर मिलते रहे हैं। भारतीय लेखक प्रतिनिधि मंडल के अंतर्गत उन्होंने फ्रांस, जर्मनी, नेपाल आदि देशों की सांस्कृतिक यात्राएं की हैं। उनके यात्रा वृतांत ÷नर्मदे हर÷, ÷कश्मीर से कन्याकुमारी÷ तथा ÷आँख भर उमंग÷ भी बहुत चर्चित रहे हैं।

डॉ. व्यास का हुआ व्याख्यान-

इससे पहले संगीत नाटक अकादमी में डॉ. व्यास ने ÷भाषा एवं संस्कृति÷ विषयक संवाद में हिंदी भाषा की संस्कृति और कलाओं की परंपरा पर अपने व्याख्यान में भारतीय चिंतन से जुड़े महती विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि हिंदी ने भारतीय कला और संस्कृति की जड़ों को निरंतर जीवंत रखा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम ने भाषा के जरिए कला की भारतीय दृष्टि को निरंतर लीलने का प्रयास किया है। इस परिप्रेक्ष्य में कलाओं की हमारी समृद्ध अंतर्दृष्टि में जाने की जरूरत है।

सुभाष चंद्र बोस-आजादी के योद्धा

भारत की आजादी के योद्धा सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक नगर में हुआ था। उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस था और मां का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। बोस ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई कटक की। 1913 में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की। 1919 में बी.ए. प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने के साथ ही दर्शनशास्त्र में विश्वविद्यालय का सर्वोच्च पदक प्राप्त किया। बाद में भारतीय प्रशासनिक सेवा (इण्डियन सिविल सर्विस) की तैयारी के लिए इंग्लैंड के केंब्रिज विश्वविद्यालय गए। उन्होंने सिविल सर्विस की परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त किया। 1920 में बोस ने अंग्रेज सरकार की आई.सी.एन. सेवा से त्यागपत्र दे दिया और 1921 में सिविल सर्विस छोडने के बाद वे सक्रिय राजनीति में शमिल हो गए। सुभाष चंद्र बोस ने अपना राजनीतिक जीवन असहयोग आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के साथ प्रारंभ किया। इस आंदोलन के कारण उन्हें गिरफ्तार कर 6 माह के लिए जेल में डाल दिया गया। 1923 में उन्होंने चितरंजन दास के नेतत्व में स्वराज पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।

1925 से 1927 तक वे बर्मा में नजरबंद रहे। 1935 में भारतीय शासन अधिनियम का विरोध करने के बाद उनकी राजनीतिक ख्याति तेजी से बढ़ी। सुभाष चंद्र बोस 1938 में कांग्रेस के अध्यक्ष बने। अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय योजना आयोग का गठन किया। 1939 में बोस ने गांधी समर्थित उम्मीदवार डॉ. पटटभि सीतारमैया को पराजित कर दोबारा कांग्रेस अध्यक्ष बने। इस विजय ने उन्हें राजनितिक शिखरता प्रदान की। स्वतंत्रता के लिए वे अंग्रेज सरकार को एक निश्चित समय सीमा देना चाहते थे लेकिन उनका यह प्रस्ताव कांग्रेस कार्यसमिति में पास न हो सका। बोस ने कांग्रेस की अध्यक्षता से त्यागपत्र देकर मई 1939 में फॉरवर्ड ब्लॉक नामक नए दल का गठन कर देश की वामपंथी शक्तियों को नए सिरे से एकजुट करने का सफल प्रयास किया। अंग्रेज सरकार ने 1940 में बिना मुकदमा चलाए उन्हें घर में नजरबंद कर दिया। यहीं से उनकी अंतर्राष्ट्रीय सोच व राजनीतिक सूझबूझ का उदय माना जाता है। बोस का मानना था कि अंग्रेजों के दुश्मनों से मिलकर आजादी हासिल की जा सकती है। बोस दिसंबर 1940 में भारत से पलायन कर गए और पेशावर, काबुल होते हुए जर्मनी पहुंच गए जहां उन्होंने हिटलर से मुलाकात की। सक्रिय राजनीति में आने से पहले बोस ने पूरी दुनिया का भ्रमण किया। वे 1933 से 1936 तक यूरोप में रहे। उस समय यूरोप में हिटलर के नाजीवाद और मुसोलिनी के फासीवाद का दौर था। सुभाष चंद्र बोस ने 1937 में ऑस्ट्रियन युवती एमिली से शादी की। उन दोनों की एक अनीता नाम की एक बेटी भी हुई।

सुभाष चंद्र बोस ने 17 फरवरी 1941 को बर्लिन रेडियो से अपना भाषण प्रसारित किया। जून 1943 में उन्होंने जर्मनी छोड़ दिया। वहां से वह जापान पहुंचे। जापान से वह सिंगापुर पहुंचे। जुलाई 1943 को बोस ने आजाद हिंद फौज का गठन किया। इसमें 60 हजार भारतीय शामिल हुए। बोस ने दिल्ली चलो का नारा भी दिया। महिलाओं के लिए रानी झांसी रेजिमेंट का भी गठन किया जिसकी लक्ष्मी सहगल कैप्टन बनी। 1943 में बोस के नेतत्व में आजाद हिंद फौज ने अंग्रेजों के कब्जे से पूर्वी भारत के कई द्वीपों को आजाद करवा लिया। इसके बाद पोर्ट ब्लेयर में आजाद हिंद फौज का ध्वज फहराकर देश की आजादी का ऐलान किया गया। नेताजी के नाम से प्रसिद्ध सुभाष चन्द्र बोस ने सशक्त क्रान्ति द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर, 1943 को आजाद भारत सरकार की स्थापना की। नेताजी ने अपने सैनिकों और देश के सभी नागरिकों को जोश भरा भाषण देते हुए कहा हमारे सामने एक भंयकर युद्ध है। यह आजादी की ओर हमारा अंतिम प्रयास है। आजाद हिंद फौज के साथ 1944 में बर्मा पहुँचे। यहीं पर उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा दिया था। अगस्त 1945 को टोक्यो (जापान) जाते समय ताइवान के पास नेताजी का एक हवाई दुर्घटना में निधन हुआ बताया जाता है। सुभाष चंद्र बोस ऐसे आजादी के महान नायक रहे जिन्होंने कठिन एवं विपरित परिथितियों में भी निरन्तर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी।

राजस्थान की दिव्यकृति सिंह और महावीर प्रसाद सैनी खेल पुरस्कार से सम्मानित

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजस्थान की दिव्यकृति सिंह को अर्जुन पुरस्कार और महावीर प्रसाद सैनी को द्रोणाचार्य खेल पुरस्कारों से सम्मानित किया। नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में 9 जनवरी को आयोजित राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह के भव्य आयोजन में राष्ट्रपति ने प्रदेश की दिव्यकृति सिंह को घुड़सवारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार तथा महावीर प्रसाद सैनी को पैरा एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रशिक्षण देने के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी) प्रदान कर सम्मानित किया। दिव्यकृति अर्जुन पुरस्कार पाने वाली पहली महिला घुड़सवार हैं। दिव्यकृति सिंह (ड्रेसेज टीम) ने चीन में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में देश को गोल्ड मेडल दिलाया था। भारतीय घुड़सवार (ड्रेसेज टीम) की सदस्य दिव्यकृति सिंह राजस्थान की बेटी हैं। देश के लिए गोल्ड लाने वाली दिव्यकृति सिंह अर्जुन अवॉर्ड पाने वाली पहली महिला घुड़सवार हैं।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड 2023, द्रोणाचार्य अवार्ड 2023, अर्जुन अवार्ड 2023, ध्यानचंद अवार्ड 2023, तेनजिंग नॉर्वे नेशनल एडवेंचर अवार्ड 2022 और मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी 2023 को विभिन्न खेल हस्तियों को प्रदान किया।

तीन दिवसीय भव्य आई.टी एक्स्पों में भाग लेंगी देश विदेश की कई नामी कंपनिया

जयपुर। आई.टी के क्षेत्र में अग्रणी आई.टी. वॉइस के द्वारा भव्य आई.टी. ट्रेड ष्यो का आयोजन 16 से 18 फरवरी के बीच किया जाएगा। आई.टी वॉइस एक्स्पो 2024 का आयोजन राजस्थान इंटरनेषनल सेंटर में होगा। आयोजक तरूण कुमार टांक के अनुसार भारत के सभी बड़े 2 टियर शहरो जैसे भोपाल, नागपुर, राजकोट, रायपुर, भुवनेश्वर आदि में कंप्यूटर, सर्विलेंस, नेटवर्किंग के आईटी एक्सपो आयोजित होते रहते है। आई. टी. वॉइस द्वारा जयपुर में आई.टी ट्रेड शो सर्व प्रथम वर्ष 2008 में आयोजित किया गया था। अब आई.टी वॉइस इस भव्य एक्स्पों को आयोजित करने जा रही है। राजस्थान आई.टी. के क्षेत्र में अग्रसर बने और आई.टी. ट्रेड का व्यापार ज्यादा से ज्यादा बढ़े इसी उद्देष्य के साथ यह एक्स्पों आयोजित किया जायेगा। सरकार के साथ, प्राइवेट कम्पनी, अलग अलग ट्रेड के लोग बी2बी, बी2सी में आई.टी. के व्यापार की उन्नति में कैसे हो, इसके लिए आई.टी.सेक्टर के कई नामी लोग व कम्पनियां इस एक्स्पों में शिरकत करने वाली है। तीन दिन होने वाले इस आयोजन में वक्ता अलग अलग टॉक शो के माध्यम से अपने विचार साझा करेंगे। इसके अतिरिक्त विभिन्न कंपनियों के उच्च अधिकारी भी अपने उत्पाद की जानकारी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचानें के लिए यहां उपस्थित रहेंगे। इस ट्रेड शो में कई स्टार्टअप भी भाग ले रहें हैं। तीन दिन चलने वाले इस भव्य आयोजन में करीब 20 से अधिक टॉक शो सेसन रहेंगे जिसमे देश के जाने माने लोग एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि, आई.टी. सेक्टर की उन्नति के बारे में चर्चा करेंगे। इस ट्रेड शो में राजस्थान के कई जिलों की विभिन्न ट्रेड एसोसिएशन भी भाग ले रही है। इसके साथ ही राजस्थान की कंप्यूटर ट्रेड एसोसिएशन के अलावा अन्य एसोसिएशन जैसे एसोचौम, फेर्टी, इंडियन एमएसएमई चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री, पीएचडी चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री, टाई, राजस्थान चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री, औधोगिक एसोसिएशन के साथ कई आई.टी. कॉलेज के छात्र एवं व्यापारी भी भाग लेगे। इस आयोजन में भाग लेने के लिए क्यू आर कोड के माध्यम से रजिस्टर करवाना रहेगा और इस एक्सपो में एंट्री निःशुल्क रहेगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आईसीडी-11, पारंपरिक चिकित्सा मॉड्यूल 2 जारी किया

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 10 जनवरी को आईसीडी 11, पारंपरिक चिकित्सा मॉड्यूल 2 के जारी होने के साथ, इसके कार्यान्वयन की तैयारी शुरू हो गई है। आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी चिकित्सा पर आधारित रोगों से संबंधित डेटा और शब्दावली को विश्व स्वास्थ्य संगठन आईसीडी-11 वर्गीकरण में शामिल किया गया है। इस प्रयास से, आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध चिकित्सा में रोगों को परिभाषित करने वाली शब्दावली को एक कोड के रूप में अनुक्रमित किया गया है और विश्व स्वास्थ्य संगठन रोग वर्गीकरण श्रृंखला आईसीडी-11 में सम्मिलित किया गया है। आयुष मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से आईसीडी-11 श्रृंखला के टीएम-2 मॉड्यूल के अंतर्गत आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी प्रणालियों में उपयोग की जाने वाली बीमारियों का वर्गीकरण तैयार किया है। इस वर्गीकरण के लिए पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन और आयुष मंत्रालय के बीच एक दानकर्त्ता समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए थे। यह प्रयास भारत की स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली, अनुसंधान, आयुष बीमा कवरेज, अनुसंधान एवं विकास, नीति

निर्माण प्रणाली को और मजबूत और विस्तारित करेगा। इसके अलावा, इन कोड का उपयोग समाज में विभिन्न बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए भविष्य की रणनीति बनाने के लिए भी किया जा सकता है।

केंद्रीय आयुष और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मुंजापारा महेंद्रभाई ने इंडिया हैबिटेट सेंटर में आईसीडी-11, टीएम मॉड्यूल-2 को जारी करते हुए कहा कि भारत और साथ ही दुनिया भर में आयुष चिकित्सा को वैश्विक मानकों के साथ एकीकृत करके आधुनिकीकरण करने की आवश्यकता है। सचिव (आयुष) वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि आयुष मंत्रालय भविष्य में आईसीडी-11, मॉड्यूल 2 के आधार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीति तैयार करेगा और इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लागू करेगा। सचिव आयुष ने एक प्रस्तुति के माध्यम से टीएम मॉड्यूल 2 की तैयारी की यात्रा पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। भारत में विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉ. राडारिको एच. ऑफ्रिन ने कहा कि आईसीडी-11 में पारंपरिक चिकित्सा शब्दावली का समावेश पारंपरिक चिकित्सा और वैश्विक मानकों के बीच एक संबंध बनाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की सहायक महानिदेशक डीडीआई डॉ. समीरा असमा ने कहा कि आईसीडी-11 में पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित रोग शब्दावली को शामिल करना एक एकीकृत वैश्विक परंपरा के निर्माण में एक मील का पत्थर साबित होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की वरिष्ठ रणनीतिक सलाहकार डॉ. श्यामा कुरुविला इस कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुईं। उन्होंने कहा कि आईसीडी-11 में पारंपरिक चिकित्सा शब्दावली को शामिल करने से भारत की नियमित स्वास्थ्य प्रणाली और मजबूत होगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के वर्गीकरण और शब्दावली इकाई के प्रमुख डॉ. रॉबर्ट जैकब ने कहा कि आईसीडी-11 में सूचीबद्ध डेटा वैश्विक उपयोग के लिए उपलब्ध होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एकीकृत स्वास्थ्य सेवा के निदेशक डॉ. रूडी एगर्स के अनुसार, आईसीडी-11 में टीएम मॉड्यूल 2 को शामिल करने को पारंपरिक चिकित्सा की वैश्विक मान्यता के साथ-साथ एक आंदोलन के रूप में देखा जा सकता है। इसके लिए रणनीति वर्ष 2014 से 2023 तक के लिए तैयार की गई थी और वर्ष 2025 से 2034 के लिए पारंपरिक चिकित्सा के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की रणनीति का पहला मसौदा तैयार किया गया है। ब्राजील, बांग्लादेश, मलेशिया, मॉरीशस, श्रीलंका, नेपाल, ईरान और ब्रिटेन सहित विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने देशों में पारंपरिक चिकित्सा की वर्तमान स्थिति के बारे में अपने अनुभव साझा किए। इस कार्यक्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन और आयुष मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें इसके अनुसंधान परिषदों, राष्ट्रीय संस्थानों के वरिष्ठतम अधिकारी, दो आयोगों के अध्यक्ष और संबंधित अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा प्रणाली के लिए राष्ट्रीय आयोग और होम्योपैथी के लिए राष्ट्रीय आयोग शामिल थे। विचार-विमर्श में विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य देशों के प्रतिनिधि और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। स्वागत भाषण आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव कविता गर्ग ने दिया।

iTVoice®

4th Edition
EXPO
2024

North India's Biggest IT Trade Fair

EARLY
BIRD
Discounts
Available*

WWW.EXPO.ITVOICE.IN +91-9829254111

*Available on first come first serve basis.
*Contact to get price quotes.

16th - 18th
February 2024

16 17 18 Feb

RIC
RAJASTHAN
INTERNATIONAL
CENTRE
JAIPUR, RAJASTHAN

iV
EXPO
2024

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक तरूण कुमार टांक के लिये महारानी प्रिन्टर्स प्लाट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 52/121, वीरतेजाजी रोड, मानसरोवर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-तरूण कुमार टांक Email: mahanagarstambh@gmail.com